

प्रेषक,

डी०के०कोटिया,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग,
देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून दिनांक: 7 जनवरी, 2006

विषय:- उत्तरांचल में आपदाग्रस्त पत्रकारों / आश्रितों के लिये उत्तरांचल पत्रकार कल्याण कोष से वित्तीय सहायता की संशोधित नियमावली, 2005 विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, देहरादून, उत्तरांचल व पत्र संख्या:- 882/सू०एवं०लो०सं०वि०(प्रेस)/2005, दिनांक 20 मई, 2005 एवं पत्र संख्या:-1676/सू०एवं०लो०सं०वि०(प्रेस)22/2005, दिनांक 14 सितम्बर, 2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तरांचल में आपदाग्रस्त पत्रकारों एवं उनके आश्रितों को संलग्न आपदाग्रस्त पत्रकारों/आश्रितों के लिये उत्तरांचल राज्य कल्याण कोष से वित्तीय सहायता दिये जाने से सम्बन्धित संशोधित नियमावली को प्रख्यापित किये जाने हेतु श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।
2-पूर्व नियमावली सम्पूर्ण रूप से संशोधित की गयी है। नियमावली के परिशिष्ट-I एवं II पूर्ववत् रहेंगे।
3-कृपया संलग्न संशोधित नियमावली की व्यवस्थाओं के अधीन उत्तरांचल पत्रकार कल्याण कोष के गठन एवं इस कोष के अंतर्गत पत्रकारों को सहायता प्रदान किये जाने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

संलग्नक:-यथोपरि।

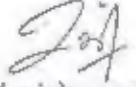
डी०के०कोटिया
सचिव

पृष्ठांकन संख्या- /XXII/2006-53 सूचना/2002, तददिनांक

प्रतिलिपि नियमावली की प्रति सहित निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 2- निजी सचिव, मा० सूचना मंत्री जी को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव के अवलोकनार्थ।
- 4- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- आयुक्त गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल।
- 6- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 7- समस्त जिला सूचना अधिकारी, उत्तरांचल।
- 8- उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि कृपया संलग्नक नियमावली को परिशिष्ट, भाग-4, खण्ड-ख में दिनांक 7 जनवरी, 2006 को प्रकाशित करने एवं उसकी 100 प्रतियां शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 9- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(संतोष बडोनी)
अनुसचिव

आपदाग्रस्त पत्रकारों/आश्रितों के लिए उत्तरांचल पत्रकार कल्याण कोष से वित्तीय सहायता के लिए संशोधित नियमावली,2005

1.इन नियमों को आपदाग्रस्त पत्रकारों/आश्रितों के लिए उत्तरांचल राज्य कल्याण कोष से वित्तीय सहायता के नियम कहा जायेगा।

2.ये नियम आपदाग्रस्त पत्रकारों और उनके आश्रितों के लिए लागू होंगे।

3.ये नियम दिसम्बर, 2002 से प्रभावी होंगे।

4(1) मृत पत्रकारों के आश्रितों को वित्तीय सहायता निम्न प्राथमिकता के क्रम में दी जायेगी:-

(अ) विधवा।

(ब) 28 वर्ष से कम आयु का बेरोजगार पुत्र।

(स) अविवाहित और बेरोजगार पुत्री।

(द) पिता।

(य) माता।

(र) मानसिक रूप से अल्प विकसित पुत्र/पुत्री।

एक समय में एक ही व्यक्ति को सहायता दी जायेगी।

(2) जीवित आपदाग्रस्त पत्रकारों एवं उनके आश्रितों को निम्न प्राथमिकता के क्रम में वित्तीय सहायता दी जायेगी:-

(अ) ऐसे पत्रकार जो अस्वस्थता के कारण बेरोजगार हैं।

(ब) बेरोजगार, आश्रित पत्नी, माता-पिता अथवा पुत्र-पुत्री जो पूर्ण रूप से संबंधित पत्रकार पर आश्रित हों तथा पूर्ण रूप से अस्वस्थ हों। (मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर)

(स) अन्य मानवीय आधार।

5.इन नियमों के उद्देश्य हेतु शब्द "पत्रकार" का अर्थ ऐसा व्यक्ति होगा जिसकी मुख्य वृत्ति पत्रकारिता है।

6.पत्रकार पत्रकारिता के पेशे में कम से कम 10 वर्ष से हो।

7.इन नियमों के अन्तर्गत दी जाने वाली वित्तीय सहायता 50,000 रुपये से अधिक नहीं होगी। विशेष मामलों में कारणों का उल्लेख करते हुए, नियम 10 में गठित कोष प्रबन्धन समिति इस सीमा को बढ़ा भी सकती है।

8. ऐसा व्यक्ति वित्तीय सहायता का पात्र न होगा, जिसकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो।

9 गलत तथ्यों के आधार पर अथवा जालसाजी के आधार पर स्वीकृत कराई गयी वित्तीय सहायता किसी भी समय समाप्त की जा सकती है तथा इसके लिए समिति कानूनी कार्यवाही करने में सक्षम होगी।

10. कोष का प्रबन्ध एक समिति द्वारा किया जायेगा, जिसके निम्न सदस्य होंगे।

(अ) मा0 मंत्री सूचना विभाग-अध्यक्ष पदेन।

(ब) सचिव, सूचना/महानिदेशक, सूचना-उपाध्यक्ष पदेन।

(स) प्रेस काउन्सिल द्वारा अधिकृत पत्रकार संगठनों के राज्य स्तरीय अध्यक्ष/मंत्री अथवा नामित प्रतिनिधि।

(द) समाचार एजेन्सी तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के पूर्णकालिक एक-एक प्रतिनिधि।

(य) अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग(सदस्य सचिव) पदेन।

24

(र) इस समिति में राज्य में कार्यरत स्तरीय साप्ताहिक/पाक्षिक/मासिक/त्रैमासिक (गढ़वाली, कुमाऊँनी) पत्र-पत्रिकाओं से जुड़े पत्रकारों का भी एक-एक प्रतिनिधि शामिल किया जायेगा।

11. इन नियमों के अन्तर्गत वित्तीय सहायता की स्वीकृति के लिए आवेदन परिशिष्ट (1) में दिए गये प्रारूप में अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल देहसदून को प्रस्तुत किया जायेगा तथा आवेदन के साथ परिशिष्ट(2) में दिये गये प्रारूप पर जिलाधिकारी अथवा प्रेस परिषद, भारत सरकार पंजीकृत संगठनों के राज्य स्तरीय अध्यक्ष/मंत्री की आख्या प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा।

12. सभी आवेदन पत्रों की जाँच आपदाग्रस्त पत्रकारों /आश्रितों के लिए उत्तरांचल राज्य कल्याण कोष की प्रबन्ध समिति द्वारा की जायेगी। समिति पात्रता और अन्य बातों के संबंध में संतुष्ट होने के बाद आवेदन पत्रों पर आदेश पारित करेगी।

13. विशेष मामलों में इन नियमों के अन्तर्गत 20,000 रुपये तक वित्तीय सहायता स्वीकृत करने के लिए उपाध्यक्ष/सचिव, सूचना/महानिदेशक सक्षम होंगे। ऐसे मामलों को स्वीकृति के पश्चात अनुमोदनार्थ समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

14. जिन विषयों का इन नियमों में स्पष्ट उल्लेख नहीं है उन पर प्रबंध समिति निर्णय करेगी।

15. समिति अपनी बैठक, कोरम आदि से सम्बन्धित प्रक्रियाएं एवं नियम स्वयं बनायेगी।

16. अनुदान की प्रक्रिया और "अन्य मानवीय आधार" के अन्तर्गत दिये जाने वाले अनुदान से संबंधित कार्यकारी सिद्धान्त कोष प्रबन्ध समिति शासन की अनुमति के साथ स्वयं निर्धारित करेगी।

17. उत्तरांचल के मान्यता प्राप्त वर्किंग जर्नलिस्ट को उनके परिवार सहित उत्तरांचल के राजकीय अस्पतालों में किये गये चिकित्सा सम्बन्धी व्यय की प्रतिपूर्ति इसी कोष से की जायेगी। चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिये वही नियम लागू होंगे, जो राजकीय कर्मचारियों के मामलों में शासन द्वारा व्यवस्था की गई है।

— x x —

24